

2301131402020001
EXAMINATION MARCH-APRIL 2024
MASTER OF ARTS IN HINDU STUDIES
(SECOND SEMESTER)
DHARM EVAM KARM VIMARSH - LEVEL 2

[Time: As Per Schedule]

[Max. Marks:50]

Instructions:

1. Fill up strictly the following details on your answer book

- a. Name of the Examination : **MASTER OF ARTS IN HINDU STUDIES (SECOND SEMESTER)**
 - b. Name of the Subject : **DHARM EVAM KARM VIMARSH - LEVEL 2**
 - c. Subject Code No : **2301131402020001**
2. Sketch neat and labelled diagram wherever necessary.
 3. Figures to the right indicate full marks of the question.
 4. All questions are compulsory.

Seat No:

--	--	--	--	--	--

Student's Signature

Q.1 ટૂંકમાં જવાબ આપો. (કોઈપણ પાંચ)
संक्षेप में उत्तर दें। (कोई पांच)

10

1. મનુષ્યએ કયા ત્રણ કારણોસર કર્મયોગનો સ્વીકાર કરવો જોઈએ?
मनुष्य को किन तीन कारणों से कर्मयोग को स्वीकार करना चाहिए?
2. નિત્યકર્મ એટલે શું? તે કોણ કરે છે?
दिनचर्या क्या है? इसे कौन करता है?
3. ભારતીય તત્ત્વજ્ઞાન મુજબ વિકર્મ એટલે શું?
भारतीय दर्शन के अनुसार विकर्म क्या है?
4. આચર ધર્મ એટલે શું?
आचार धर्म क्या है?
5. જૈન ધર્મના લક્ષણો જણાવો.
जैनधर्म की विशेषताएँ बताइए।

6. भारतीय दर्शन मुजब मोक्ष अटवे शुं?
भारतीय दर्शन के अनुसार मोक्ष क्या है ? ;

7. 'कर्मकांड' शब्द समजावो.
'कर्मकांड' शब्द की व्याख्या कीजिए!

Q.2 "कर्मयोग मोक्षनो मार्ग छे"—श्रीमद् भगवद्गीता प्रमाणे समजावो. **13**
"कर्म योग मोक्ष का मार्ग है"- श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार स्पष्ट कीजिए ।

अथवा
या

धर्म, नीतिशास्त्र अने राष्ट्रधर्म विषयक भारतीय विचारधारा समजावो.
धर्म, नैतिकता और राष्ट्रीय धर्म पर भारतीय विचारों की व्याख्या करें। **13**

Q.3 पुरुषार्थ चतुष्टय समजावी, तेमां धर्मनुं स्थान यर्यो. **13**
पुरुषार्थ चतुष्टय समझा कर इसमें धर्म के स्थान की चर्चा कीजिए ।

अथवा
या

भारतीय चिंतन अनुसार राजाना कार्यो अने राजधर्म विशे वर्णन करो.
भारतीय चिन्तन के अनुसार राजा के कार्यों और राजधर्म का वर्णन कीजिए **13**

Q.4 दूकनोंध लवो (गमे ते व्ने) **14**
संक्षिप्त टिप्पणी लिखें (कोई दो)

1. सकाम कर्म अने निष्काम कर्म
सकाम कर्म और निष्काम कर्म
2. ब्पोथ्धर्मना लक्षणो
बोद्धधर्म की विशेषताएँ बताइए ।
3. प्रवृत्ति अने निवृत्तिमूलक धर्म
प्रवृत्ति और निवृत्तिमूलक धर्म

4. शीख धर्मना लक्षणो
शीखधर्म की विशेषताएँ
